केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 81 सोमवार 12 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

ब्रह्मचारिणी: सर्व सिद्धि देती हैं मां दुर्गा की दूसरी शक्ति...

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां दुर्गा की नवशक्ति का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां ब्रह्म का अर्थ तपस्या से है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल देने वाला है। इनकी उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी का अर्थ तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। देवी का यह रूप पूर्ण ज्योतिर्मय और अत्यंत भव्य है। इस देवी के दाएं हाथ में जप की माला है और बाएं हाथ में यह कमण्डल धारण किए हैं।

पूर्वजन्म में इस देवी ने हिमालय के घर पुत्री रूप में जन्म लिया था और नारदजी के उपदेश से भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। इस कठिन तपस्या के कारण इन्हें तपश्चारिणी अर्थात्‌ ब्रह्मचारिणी नाम से अभिहित किया गया। एक हजार वर्ष तक इन्होंने केवल फल–फूल खाकर बिताए और सौ वर्षों तक केवल जमीन पर रहकर शाक पर निर्वाह किया।

कुछ दिनों तक कठिन उपवास रखे और खुले आकाश के नीचे वर्षा और धूप के घोर कष्ट सहे। तीन हजार वर्षों तक टूटे हुए बिल्व पत्र खाए और भगवान शंकर की आराधना करती रहीं। इसके बाद तो उन्होंने सूखे बिल्व पत्र खाना भी छोड़ दिए। कई हजार वर्षों तक निर्जल और निराहार रह कर तपस्या करती रहीं। पत्तों को खाना छोड़ देने के कारण ही इनका नाम अपर्णा नाम पड़ गया।

कठिन तपस्या के कारण देवी का शरीर एकदम क्षीण हो गया। देवता, ऋषि, सिद्धगण, मुनि सभी ने ब्रह्मचारिणी की तपस्या को अभूतपूर्व पुण्य कृत्य बताया, सराहना की और कहा– हे देवी आज तक किसी ने इस तरह की कठोर तपस्या नहीं की। यह तुम्हीं से ही संभव थी। तुम्हारी मनोकामना परिपूर्ण होगी और भगवान चंद्रमौलि शिवजी तुम्हें पति रूप में प्राप्त होंगे।

नेपाल में 45 दिन बाद फिर भीषण बाढ़:उफनती बूढ़ी गंडकी ने मचाया तबाही

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में रविवार सुबह तेज उफान आया, जिसके चलते नदी के आसपास के इलाकों में भीषण बाढ़ आई। सोशल मीडिया पर इस बाढ़ से जुड़े जो वीडियो और तस्वीरें साझा की गई हैं, उनमें साफ है कि नेपाल में करीब 45 दिन पहले ही जिस तरह के हालात पैदा हुए थे, आज भी वैसी ही स्थितियां पैदा होने का खतरा था। हालांकि, अब तक की जानकारी के मुताबिक, बूढ़ी गंडक में आई बाढ़ से नेपाल में जान–माल का ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और सरकार का कहना है कि सतर्कता के चलते हालात अब उसके नियंत्रण में हैं।

ज्ञात रहे कि करीब डेढ़ महीने पहले भोटेकोशी–त्रिशूली नदी में आई बाढ़ से जिस तरह का नुकसान हुआ था, इस बार कैसे उन हालात को बिगड़ने से रोका गया। नेपाल की भूवैज्ञानिक टीम के मुताबिक, गोरखा जिले के चुमानुब्री ग्राम निकाय में लोकपा और चुलीदांडा के बीच अचानक भूस्खलन हुआ। इससे बूढ़ी गंडक नदी का बहाव कई जगहों पर मलबा गिरने की वजह से रुक गया।

रविवार तड़के लगभग सुबह 4 से 4.30 बजे के बीच भूस्खलन से बना यह अस्थायी प्राकृतिक बांध अचानक टूट गया। इसके बाद वहां रुका पानी, भारी काला कीचड़ और मलबा अत्यंत तीव्र वेग से बूढ़ी गंडकी नदी में जा गिरा, जिससे नदी में अचानक उफान आ गया और जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया।

स्थानीय निवासियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद नदी का बहाव करीब छह बार रुका और खुला, जिससे तेज गड़गड़ाहट की आवाजों के साथ बार–बार पानी का स्तर घटता और अचानक बढ़ता रहा।

जल और मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, उस क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश नहीं हुई थी। इसलिए यह बाढ़ तात्कालिक वर्षा से ज्यादा भूस्खलन के चलते नदी के ब्लॉक होने और फटने के कारण ही आई। इस घटना के बाद बूढ़ी गंडकी के साथ–साथ निचले तटीय क्षेत्रों, जैसे– त्रिशूली नदी गलियारा, बेनीघाट, मुग्लिन, चितवन और नवलपरासी तक अचानक बाढ़ का भारी खतरा पैदा हो गया और प्रशासन को चेतावनी जारी करनी पड़ी।

बूढ़ी गंडकी नदी के तटीय गलियारे में मलबा गिरने के बाद जब बहाव अचानक सिर्दिबास, लोकपा, न्याक्चेत, जगत बगर, घट्टेखोला, सल्लेरी, यारुबगर, माछाखोला, सोती और आरुघाट तक पहुंच गई। इसका असर आगे त्रिशूली नदी गलियारे– बेनीघाट, मुग्लिन से लेकर चितवन और नवलपरासी जिलों तक फैला।

सरकार के मुताबिक, ऊपरी हिमालय (पहाड़ी हिस्से) से निचले इलाकों, जैसे आरुघाट तक पहुंचने में बाढ़ के सैलाब को लगभग 3 से 4 घंटे लगे। पहाड़ी ढलान बहुत सीधा होने के कारण काला कीचड़, मलबा और पानी अत्यधिक तीव्र रफ्तार से बढ़ाय हिलोमाटो उछलकर ऊंचे पेड़ों की टहनियों तक जा पहुंचा।

आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख धर्मराज उप्रेती के मुताबिक, आरुघाट में स्थित नदी का जलस्तर मापने वाले केंद्र पर खतरे का निशान पांच मीटर है, लेकिन बाढ़ का पानी 8.3 मीटर की ऊंचाई तक पहुंच गया। इस बीच जब–जब भूस्खलन से फंसी हुई नदी का पानी अचानक छूटता, इसका सैलाब करीब 15 मीटर ऊपर तक उठ जा रहा था। ताजा जानकारी के मुताबिक, नेपाल में फिलहाल इस अचानक आई बाढ़ में किसी की मौत की जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि, पांच लोग लापता बताए गए हैं, जिनकी खोज जारी है। यह सभी लोग चुमनुब्री–6 में बूढ़ी गंडक की सहायक नदी उंगिलुंग नदी के किनारे पर एक शेड में थे। हालांकि, बाढ़ के बाद इनका पता नहीं लगाया जा सका।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की लड़ाई पीएम मोदी तक आई

नई दिल्ली (आभा)। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर–मंतर पर प्रदर्शन करने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के तीन नेताओं को रविवार को रिहा कर दिया गया। इनमें अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास शामिल हैं। रिहाई के बाद तीनों ने दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सरकार व दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आशुतोष रांका ने कहा कि चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने खिलाफ कर लिया है। वहीं, सौरव दास ने आरोप लगाया कि हिरासत के दौरान उनके फोन ले लिए गए, लेकिन उन्हें फोन जब्त करने की रसीद नहीं दी गई। आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि उन्हें हिरासत में नहीं लिया गया, बल्कि किडनैप किया गया। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर अमानवीय व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि देश में इमरजेंसी जैसे हालात बन गए हैं।

रांका ने कहा, 'जो लड़ाई चुनाव आयोग के खिलाफ थी, जो लड़ाई ज्ञानेश कुमार के खिलाफ थी, वो लड़ाई नरेंद्र मोदी ने अपने खिलाफ कर ली।' उन्होंने कहा, 'राजा की जान तोते में है।' इस दौरान उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए।

जबकि दूसरी ओर दिल्ली में प्रदर्शन को लेकर पुलिस के खिलाफ दायर दो याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने साफ कहा कि शहर में लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए और इंटरनेट सेवाएं चालू रहनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि मेट्रो और ट्रेनों को नियंत्रित तरीके से चलाया जा सकता है, लेकिन उनका संचालन पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए।

जस्टिस जयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि 9 अक्टूबर के आदेश में अधिकारियों को साफ निर्देश दिए गए थे। अदालत ने यह भी कहा कि लोगों को विरोध–प्रदर्शन करने का अधिकार है, लेकिन इसके लिए पुलिस के बनाए नियमों का पालन करना होगा। प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन नियमों का पालन भी जरूरी है।

महाराजा अग्रसेन जयन्ती पर जरूरतमंदों में किया वस्त्र, फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महाराजा अग्रसेन जयन्ती अवसर पर रविवार को एम. डी. गोयनका फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर के संयुक्त तत्वावधान मे हथियागढ़ कुष्ठ आश्रम में सेवा अभियान चलाने के साथ ही जरूरतमंदों में मिष्ठान, प्रोटीन युक्त खाद्यान्न और वस्त्र का वितरण किया गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि महाराजा अग्रसेन ने अपनी प्रजा के लिये जन कल्याण का जो मार्ग दिखाया वे सदैव याद किये जायेंगे।

रोटरी क्लब बस्ती ग्रेटर अध्यक्ष डा. वी. के. वर्मा ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। रोटरी निरन्तर इस दिशा में कार्य कर रही है। कहा कि महाराजा अग्रसेन जी के सेवा, करुणा और सामाजिक समरसता के आदर्श हमें सदैव मानवता की सेवा एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

एम डी गोयनका फाउंडेशन के चेयरमेन किशन कुमार गोयल , रोटेरियन ओम प्रकाश मिश्रा, अनमोल मोदी, क्लब सचिव सुमिर गोयल, कौशल त्रिपाठी आश्रम प्रबन्धक कौशल त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

एमएलसी चुनाव के लिये भाजपा ने झोंकी ताकत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रथम वरीयता मत हासिल करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को भाजपा कार्यालय पर एक बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने की। बैठक में क्षेत्रीय मंत्री राजेश पाल चौधरी एवं वैभव पांडे भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अभिषेक कुमार ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए विवेकानंद मिश्र ने कहा कि सभी कार्यकर्ता शिक्षक मतदाताओं के बीच प्रभावी जनसंपर्क स्थापित करें और भाजपा प्रत्याशी को वरीयता क्रमांक–1 पर मतदान कराने की अपील करें। जिले में बनने वाले 14 बूथों पर बूथ पमुख,बूथ प्रभारियों की चयन कर दीया गया है।उन्होंने बताया कि आगामी 12 तारीख को गोरखपुर में माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की जनसभा प्रस्तावित है, जिसमें बस्ती जनपद से हजारों कार्यकर्ता गोरखपुर पहुंचेंगे।

कार्यक्रम के अंत में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी की माताजी के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर सभी कार्यकर्ताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

बैठक में प्रमुख रूप से गिरीश चौबे, डॉ. रघुवर पांडे, मनीष श्रीवास्तव, डॉ. रमा शर्मा, दिनेश चंद, श्रीकांत पांडे, राम सिंगर ओझा, अनिल मौर्य, विवेकानंद शुक्ल, दयाराम चौधरी, संजय प्रताप जायसवाल, यशकांत सिंह, सरोज मिश्र, अरविंद पाल, राम वृक्ष निषाद, अरविंद मिश्र, प्रत्युष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह, वीरेंद्र गौतम, दिलीप पाण्डेय, शिवानी सिंह, शालिनी मिश्रा, अमृत कुमार वर्मा, प्रेम प्रकाश चौधरी, सुनील सिंह, राकेश शर्मा, राजेन्द्र राजभर, प्रदीप निषाद, सुधाकर पाण्डेय श्नीरजश, विनय सिंह भारद्वाज, राधेश्याम कमलापुरी, रवि कुमार तिवारी, नीरज त्रिपाठी, राजेश कमलापुरी, कमेन्द्र चौहान, शिव प्रसाद चौधरी, विजय पांडे राजू, सुशील सिंह, विशुद्धानंद तिवारी, राकेश श्रीवास्तव,पंकज श्रीवास्तव , विनय यादव, मनोज सिंह,तारक जायसवाल, अनिल दुबे, पुष्करादित्य सिंह, गौरव तिवारी, राजकुमार शुक्ल, जिला मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह सहित बड़ी संख्या में जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी उतारेगी भारतीय अभिलाषा पार्टी –डॉ. अमर नाथ सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को भारतीय अभिलाषा पार्टी की बैठक प्रेस क्लब सभागार में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमर नाथ सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में देश, प्रदेश के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक स्थिति पर विमर्श के साथ ही निर्णय लिया गया कि पार्टी उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेगी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमर नाथ सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न मानकर जनहित, जनसम्मान, समान अवसर और सामाजिक सरोकारों से जोड़ना है। पार्टी आम नागरिकों की समस्याओं को समझने, उनकी आवाज को उचित मंच प्रदान करने तथा शिक्षा, रोजगार, लघु उद्योग, किसान हित और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कहा कि भारतीय अभिलाषा पार्टी एक जिम्मेदार राजनीतिक विकल्प के रूप में जनता के बीच अपनी पहचान स्थापित करना चाहती है। पार्टी का प्रयास होगा कि जनता से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाया जाए और सकारात्मक सोच के साथ बेहतर समाज के निर्माण की दिशा में काम किया जाए।

बैठक में उपस्थित लोगों ने पार्टी के उद्देश्यों को जन–जन तक पहुंचाने, संगठन को मजबूत बनाने तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

बैठक में मुख्य रूप से ओम नाथ चौहान, हरिभजनलाल श्रीवास्तव, बाबूराम, हरिवंश पटेल, रामकेश, प्रेमशंकरलाल श्रीवास्तव, रामसहाय, रजवन्त सिंह, महबूब आलम, राम प्रताप सिंह, यशवन्त सिंह रोलू, रवी सिंह, प्रमोद सिंह, जानकी प्रसाद राव, अभयदेव शुक्ल, राजन सिंह सूर्यबंशी, इन्दूधर पाण्डेय, रामजी पाण्डेय, राधारमण उपाध्याय के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

एसपी ने किया हर्रैया थाने का निरीक्षण: दिया निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने पदभार संभालते ही सक्रियता दिखाई है। उन्होंने अचानक हर्रैया थाने का निरीक्षण किया और कानून–व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी के अचानक पहुंचने से पुलिसकर्मियों में हलचल मच गई।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाने के रखरखाव, बैरक, मेस, हवालात और रिकॉर्ड (रजिस्टर) को बारीकी से देखा। उन्होंने थाने पर तैनात पुलिसकर्मियों के कामकाज की जांच की और उन्हें ड्यूटी के प्रति सावधान रहने के निर्देश दिए।

एसपी ओमवीर सिंह ने साफ किया कि जनसुनवाई पुलिस की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि थाने आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और उन्हें जल्दी व अच्छी तरह हल किया जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कानून–व्यवस्था मजबूत रखने पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। जो भी कर्मी अपने काम को सही से नहीं करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

2628 स्थानों पर स्थापित होंगी देवी प्रतिमाएं पुलिस प्रशासन ने किया सुरक्षा का कड़ा प्रबन्ध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शारदीय नवरात्र और दशहरा को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार जिले में कुल 2628 स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इनमें 24 प्रतिमाएं स्थायी रूप से स्थापित हैं, जबकि बाकी प्रतिमाएं अस्थायी पंडालों में रखी जाएंगी। प्रतिमाओं का विसर्जन दशहरा और शरद पूर्णिमा पर होगा। त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तैयार की है। इसके लिए गैर जनपदों से करीब 700 पुलिसकर्मियों की मांग की गई है। जिले में 17 स्थानों पर रामलीला का मंचन किया जा रहा है। इन आयोजनों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। दशहरा के दिन बस्ती शहर में कंपनी बाग से गांधीनगर तक भव्य

शोभायात्रा निकाली जाएगी। इन आयोजनों के दौरान कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस, यातायात पुलिस, अग्निशमन विभाग और पीएसी की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा फ्लड कंपनी की भी मांग की गई है।

प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों, मेला स्थलों और प्रतिमा विसर्जन मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। विसर्जन के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर नदी घाटों पर गोताखोर, नाव और फायर टेंडर तैनात रहेंगे। भीड़भाड़ वाले इलाकों में महिला पुलिसकर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी अपने–अपने क्षेत्रों में आयोजकों के साथ बैठक कर चुके हैं। इन बैठकों में प्रतिमा विसर्जन का मार्ग और समय पहले से निर्धारित कर लिया गया है। इससे विसर्जन के दौरान यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी।

एसपी ओमवीर सिंह ने बताया कि त्योहारों के दौरान अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का उद्देश्य नवरात्र और दशहरा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

समाजवादियों ने जयन्ती पर लोकनायक जय प्रकाश, महाराजा अग्रसेन को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर रविवार को प्रखर समाजवादी लोकनायक जय प्रकाश नारायण और हरियाणा राज्य के अग्रोहा के महान महाराजा अग्रसेन को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि जेपी बाबू के नाम से लोकप्रिय जयप्रकाश ने देश को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने का सच्चा प्रयास किया, जिसमें वह पूरी तरह से सफल रहे हैं। जयप्रकाश जी का समाजवाद का नारा आज भी गूँज रहा है। वहीं महाराजा अग्रसेन सामाजिक समरसता और समाजवाद के प्रणेता थे।

सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि देश को आजाद कराने हेतु जय प्रकाश जी ने तरह–तरह की परेशानियों को झेला किन्तु उन्होंने अंग्रेजों के सामने घुटने नहीं टेके, वे दृढ़निश्चयी व्यक्ति थे। संघर्ष के इसी दौर में उनकी पत्नी भी गिरफ्तार कर ली गईं और उन्हें दो वर्ष की सजा हुई, वह भी स्वतंत्रता आंदोलन में कूदी थीं और जनप्रिय नेता बन चुकी थीं। जयप्रकाश जी सच्चे देशभक्त एवं ईमानदार नेता थे। नई पीढी को ऐसे प्रखर समाजवादी नेता के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा। कहा कि महाराजा अग्रसेन

ने समाज में समानता स्थापित करने के लिए अनोखी पहल की। उनके राज्य में जब भी कोई नया परिवार आकर बसता था, तो प्रत्येक परिवार उसे एक ईंट (मकान बनाने के लिए) और एक रुपया (व्यापार शुरू करने के लिए) देता था। इससे उनके राज्य में कोई गरीब या बेघर नहीं रहता था। वे प्रखर समाजवादी थे।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक कविन्द्र चौधरी 'अतुल', दयाशंकर मिश्र, मो. स्वालेह, मो. सलीम, आर.डी. निषाद, समीर चौधरी, गीता भारती, आदि ने जे.पी. बाबू को नमन् करते हुये कहा कि वे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रशासनिक नीतियों के खिलाफ थे। 1974 में पटना में छात्रों ने आंदोलन छेड़ा था। आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से अंजाम देने की शर्त पर उन्होंने इसकी अगुआई की। इसी दौरान देश में सरकार विरोधी माहौल बना तो इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा कर दी थी। जेपी भी जेल गए और करीब सात महीनों तक सलाखों के पीछे रहे। उनकी तबीयत भी उन दिनों खराब थी, लेकिन जो सम्पूर्ण क्रांति का नारा दिया, उसने देश में लोकतंत्र की बहाली दोबारा सुनिश्चित कर दी। वक्ताओं ने कहा कि राजा अग्रसेन समाजवाद के पुरोधा थे।

जेपी बाबू और राजा अग्रसेन को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से मो. युनूस आलम, प्रशान्त यादव, सुशील यादव, नवीन पाण्डेय, मान सिंह यादव, जीत बहादुर सिंह, जोखूलाल यादव, हनुमान प्रसाद चौधरी, सदावृक्ष तिवारी, डा. राम प्रकाश सुमन, नितराम चौधरी, अकबर अली, तूफानी यादव, अखिलेश यादव, अरविन्द सोनकर, दीपक आर्या, अशोक यादव, मो. रईस, प्रमोद यादव, अजीत यादव, लालमन यादव के साथ ही समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 12 अक्टूबर 2026 सोमवार

सम्पादकीय

दवा कम्पनियां और डाक्टर

लंबे समय से यह बात सार्वजनिक विमर्श में रही है कि मरीजों के हितों पर कुठाराघात करके, फार्मा कंपनियां उपहार देकर चंद डॉक्टरों व अस्पतालों को साध रही हैं। फॉर्मा कंपनियां हजारों करोड़ रुपये का बजट डॉक्टरों को खुश करने के लिये रखती हैं ताकि उनके उत्पाद खरीदने के लिये मरीजों को बाध्य किया जा सके। विडंबना यह है कि सरकारें सब—कुछ जानते—बूझते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार को अब निर्देश देना पड़ा है कि वह फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर अविलंब रोक लगाए। बाकायदा, डॉक्टरों को खुश करने के लिये, तोहफे देने वाली फार्मा कंपनियों पर लगाम लगाने के लिये विशेषज्ञ कमेटी बनायी जाए। निश्चय ही इस अपवित्र गठजोड़ को नियामक तंत्र के दायरे में लाने की दिशा में यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। निर्विवाद रूप से यह एक हकीकत है कि आर्थिक प्रलोभन या कीमती तोहफे मरीजों को दिए जाने वाले दवाइयों के परामर्श को प्रभावित करते हैं। फार्मा कंपनियों के इशारे पर लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन का असर मरीजों और उनकी उपचार लागत पर पड़ता है। इस अनैतिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में अदालत की पहल वक्त की जरूरत है। अदालत में वादी द्वारा दायर याचिका में इस बात पर बल दिया गया था कि फार्मा कंपनियां चुनिंदा दवाइयों की बिक्री बढ़ाने के लिये चिकित्सकों को महंगे तोहफे, विदेश यात्राएं आदि अन्य प्रकार के लाभ पहुंचाती हैं। निश्चित रूप से ऐसी अनैतिक परंपराएं जहां एक ओर क्लिनिकल फैसलों पर प्रभाव डाल सकती हैं, वहीं जरूरत से ज्यादा दवा लिखने की गलत प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे सकती हैं। दरअसल, रोगों से जूझ रहा मरीज या तिमारदार आमतौर पर यह निर्णय नहीं ले पाते कि कोई दवा कितनी जरूरी है या नहीं है। यह भी कि किसी दवा का बाजार में अन्य सस्ता विकल्प मौजूद है कि नहीं। लेकिन इस प्रलोभन नीति के चलते फार्मा कंपनियां अपना उल्लू सीधा करने में कामयाब हो जाती हैं।

यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि देश में इस अनैतिक परिपाटी पर अंकुश लगाने के प्रावधान पहले से ही मौजूद हैं। पहले से ही यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसिज—2024 के तहत डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से किसी भी प्रकार के तोहफे लेने, देश—विदेश की महंगी यात्राओं की सुविधाएं पाने या किसी भी तरह से आर्थिक लाभ लेने पर रोक लगाई गई है। बाकायदा इस बाबत शिकायत आने पर उसके निपटारे के लिये भी व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायतों के निपटारे के लिये एथिक्स कमेटी, खर्चों की जानकारी देने और शीर्ष पैनल सिस्टम भी मौजूद हैं। वह बात अलग है कि नियामक संस्थाएं यदा—कदा ही जागती हैं। इसके बावजूद, केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण सवाल को माना है कि क्या फार्मा कंपनियों को किसी कानूनी नियम—कायदे के दायरे में लाया जाना चाहिए? पुराने अनुभव तो यही बताते हैं कि स्वेच्छा से नियमों का पालन करना एक व्यावहारिक विकल्प नहीं हो पाता है। उपभोक्ताओं व मरीजों में जागरूकता के अभाव में ऐसे मामले होने के बावजूद बहुत कम शिकायतें सामने आती हैं। इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि फार्मा कंपनियों का खेल जारी नहीं है। दरअसल,कम शिकायतें सामने आने की अन्य कई वजहें हैं। मसलन, डॉक्टरों को महंगे उपहार या आर्थिक लाभ के मामलों की कम रिपोर्टिंग का होना, नियमों का ठीक प्रकार से लागू न हो पाना या फिर ताकतवर फॉर्मा लॉबी का सामना करने में हिचकिचाहट की वजह से शिकायतें कम नजर आती हैं। उल्लेखनीय है कि पहले आवश्यक वस्तु अधिनियम या ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स कानून के जरिये इसे कानूनी आधार देने की कोशिशों पर अधिकार क्षेत्र और इसकी कानूनी वैधता को लेकर प्रश्न उठे थे। ऐसे में फिर जरूरी हो जाता है कि प्रस्तावित कमेटी को अफसरशाही की लेट—लतीफी से बचाया जाए। कमेटी को वैश्विक बाजार मॉडल, हितों के टकराव, जानकारी उजागर करने की जरूरत, ऐसे मामलों मे सजा, स्वतंत्र जांच और मेडिकल रेगुलेटर की भूमिका की जांच करनी चाहिए। सही मायने में सरकार को एक स्पष्ट कानूनी रोडमैप तैयार करना चाहिए, जिससे किसी नये कानून की जरूरत का पता चल सके।

महिला सुरक्षा के प्रश्न

पिछले महीने महिलाओं और बच्चों पर यौन हमलों की सुर्खियों से यह लगा कि ऐसा तो पहले भी चुका है, बिल्कुल उतना ही घिनौना। अकेले राष्ट्रीय राजधानी में, आस्था कुंज पार्क में पुलिसकर्मी बनकर आये तीन पुरुषों द्वारा 17 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार, स्वरूप नगर में 16 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार और हत्या तथा ग्रेटर नोएडा से दिल्ली जा रही स्लीपर बस में एक और 17 साल की लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटनाओं में से हरेक ने देश को कुछ समय के लिए स्तब्ध किया। इसके बाद, आखिरकार एक निराशा भरा गुस्सा फूट पड़ा। निर्भया मामले के बाद मोमबत्ती जुलूस निकले और आयोग बने, महिलाओं और लड़कियों को, खासकर सार्वजनिक जगहों में, यौन हिंसा से बचाने के लिए कई नयी योजनाओं, कानूनों और फंड की शुरुआत हुई, लेकिन इन 14 सालों में ज्यादा कुछ बदला नहीं लगता। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि निर्भया मामले के बाद से महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 80 फीसदी की बढ़ोतरी हुई हैय साल 2012 में ये मामले 2.4 लाख थे, जो साल 2024 में बढ़कर 4.4 लाख हो गये। इसका कुछ श्रेय अपराधों की ज्यादा रिपोर्टिंग को जाता है, जो नये कानूनों और योजनाओं की वजह से सुगम हो गयी है, लेकिन उनकी इतनी बड़ी संख्या के कारण के रूप में यह पर्याप्त नहीं है। साल 2024 में, हर घंटे 50 से ज्यादा महिलाओं—के—खिलाफ—अपराध रिपोर्ट हुएय जयपुर, इंदौर, लखनऊ और दिल्ली जैसे मेट्रो शहरों में ऐसे अपराधों की दर सबसे ज्यादा देखी गयी।

सरकार ने इस मसले से निपटने के लिए कई सारी पहलें शुरू की हैं, 'सेफ सिटी' परियोजना से लेकर 'मिशन शक्ति' तक, महिलाओं के लिए हेल्पलाइन और आपातकालीन मदद प्रणाली से लेकर यौन हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए 'वन—स्टॉप सेंटर' और फास्ट—ट्रैक कोर्ट तक। इनमें से कई का वित्तपोषण निर्भया फंड से किया गया है। हालांकि, हालिया अपराध इन योजनाओं के कार्यान्वयन पर सवालिया निशान लगाते हैं। प्रकाश व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरे लगाने भर से सुरक्षित शहर नहीं बनाया जा सकता, जरूरी है कि कैमरे काम करें, उनकी निगरानी हो, और उन्हें किसी प्रतिक्रिया प्रणाली से जोड़ा जाए। पुलिस गश्त और इमरजेंसी नंबर तभी मायने रखते हैं जब उनका परिणाम प्रशिक्षित और संवेदनशील कर्मियों द्वारा त्वरित हस्तक्षेप के रूप में सामने आए। योजना—आधारित पुलिसिंग से हटकर रोकथाम, और परिणाम—आधारित पुलिसिंग की ओर बढ़ना अहम है। साथ ही, जोखिम वाली जगहों का पब्लिक ऑडिट होना चाहिए और कमियों को ठीक करने के लिए समयसीमा और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और आन्दोलन

—तनवीर जाफरी—

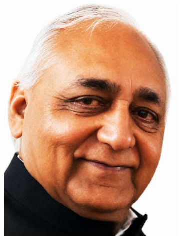

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे,मतदाता सूची से कथित तौर पर करोड़ों मतदाताओं के नाम हटाए जाने,एस आई आरध स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को रद्द करने व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़ा 2023 का कानून रद्द करने आदि के विरोध में गत दस 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अभूतपूर्व सुरक्षा,लॉक डाउन, भारी जन आक्रोश और व्यापक गिरफ्तारियों का माहौल रहा। इस प्रदर्शन को रोकने के लिए प्रशासन ने पूरी दिल्ली को एक किले के रूप में तब्दील कर दिया था। दिल्ली पुलिस सहित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लगभग 40 हजार जवानों को तैनात किया गया था। 57 मेट्रो स्टेशन पूरी तरह बंद थे। मध्य दिल्ली की ओर आने वाली कई ट्रेनों को रद्द या री—रूट किया गया था। धारा 163 पूर्ववर्ती 144 लागू करके किसी भी प्रकार की सभा या जुलूस पर पूर्ण रोक लगा दी गई थी। जंतर—मंतर जाने वाले सभी रास्तों पर कई स्तरों की भारी बैरिकेडिंग की गई थी। मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया गया और मध्य दिल्ली के प्रमुख स्कूल, कॉलेज तथा बाजार बंद रहे। आंदोलन को कुचलने के लिए पुलिस ने देश भर में व्यापक धरपकड़ की। सी जे पी के प्रमुख नेताओं को दिल्ली में एयर इंडिया के विमान के अंदर से ही हिरासत में ले लिया गया। अनेक प्रमुख नेता व सामाजिक कार्यकर्ता गिरफ्तार किये गये,कई पत्रकारों को भी जहाँ दिल्ली में गिरफ्तार किया गया वहीँ महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई पुलिस ने चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन करने से पहले ही हिरासत में ले लिया और उन्हें मुंबई में प्रदर्शन में शामिल होने के लिये अगस्त क्रांति मैदान जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने जंतर—मंतर पर लगभग 2,500 से 3,000 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने संदिग्धों और छात्र कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए रात भर तलाशी अभियान चलाकर 100 से अधिक लोगों को निवारक नजरबंदी में लिया था।

इन बंदिशों के बावजूद युवाओं, छात्रों और नागरिकों का भारी आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। प्रदर्शनकारियों के कई जत्थों ने इंडिया गेट और संसद मार्ग के पास पुलिस बैरिकेड्स को लांघने की कोशिश की, जिससे माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। जब पुलिस ने मुख्य प्रदर्शन स्थल जंतर—मंतर को पूरी तरह सील कर दिया, तो आक्रोशित जनता और छात्र संगठनों ने रणनीति बदलते हुए सफदरजंग फ्लाई ओवर, दिल्ली हाट, राजघाट और कनॉट प्लेस जैसे अलग—अलग इलाकों को ही प्रदर्शन स्थल में परिवर्तित कर दिया। अफरातफरी के इसी वातावरण में कनॉट प्लेस और जंतर—मंतर के आसपास पुलिस, प्रदर्शनकारियों के पीछे दौड़ती और उन्हें लाठियों के बल पर खदेड़कर बसों में भरती नजर आई। कड़ी सुरक्षा के बीच प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं, जिसमें कई लोगों के घायल होने की खबरें आईं। पुलिस की मौजूदगी में ही सादे लिबास में सत्ता समर्थक भाजपा और आर एस एस के तथाकथित गुंडों का कायरों की तरह एक मासूम बच्ची पर टूटना, प्रदर्शनकारी बच्चियों को मारना,नोचना व उन्हें खींचना पूरे देश को विचलित कर गया। कहाँ तो मोदी सरकार बेटी बचाओ का नारा देती है तो कहाँ सत्ता समर्थक गुंडे देश की बहन बेटियों के साथ इस तरीके का घिनौना व शर्मनाक व्यवहार करते हैं ? जिस प्रधानमंत्री के काफिले को कभी एम्बुलेंस को रास्ता देते प्रचारित किया गया था आवागमन ठप्प होने के कारण उसी प्रधानमंत्री की नाकों के नीचे अनेक मरीज व तीमारदार दवा इलाज से वंचित व परेशान दिखाई दिये। कुछ उपद्रवी तत्वों के हाथों में तलवारें देखे जाने की खबरें आईं, जिससे हिंसक टकराव की स्थिति पैदा हो गई।दिल्ली में हुए इस अभूतपूर्व पारगमन प्रतिबंध और बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियों के खिलाफ कानूनी विशेषज्ञों और विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

भारत के इन प्रदर्शनों व जन आक्रोश ने पूरे विश्व का ध्यान भी आकर्षित किया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार उच्चायुक्त ने 10 अक्टूबर को ही दिल्ली में बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियों पर गहरी चिंता व्यक्त की। संयुक्त राष्ट्र ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार का सम्मान करे और ष्मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गएष सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं को तुरंत रिहा करे। इसके जवाब में जेनेवा में भारत के स्थायी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र की इस टिप्पणी को ष्भारत के आंतरिक मामलों में अनुचित हस्तक्षेपष बताया। भारत ने स्पष्ट किया कि देश का संविधान शांतिपूर्ण सभा की गारंटी देता है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार कानून के दायरे में पुलिस के पास है।ष वैश्विक मीडिया संस्थानों भी इस आंदोलन को प्रमुख स्थान दिया।अंतरराष्ट्रीय मीडिया का सामान्य निष्कर्ष यह रहा कि दिल्ली में बुनियादी पारगमन सुविधाओं जैसे मेट्रो और रास्ते को बंद करना और शांतिपूर्ण मार्च से पहले ही नेताओं को हवाई जहाज व घरों से हिरासत में लेना आदि लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन की श्रेणी में आता है।

परन्तु वास्तविकता तो यही है कि अब आने वाले दिनों में दिल्ली सहित देश के तमाम शहरों के श्जंतर मंतरश बनने की संभावना है। इन्हीं मांगों के साथ 12 अक्टूबर को कांग्रेस सहित पूरा विपक्षी इण्डिया गठबंधन और देश के युवा बड़ी संख्या में एक बार फिर सड़कों पर उतरने जा रहे हैं। पूरी संभावना है कि इस बार भी जनता की यह आवाज पूरे देश में पहले से कहीं ज़्यादा गूंजेगी। विपक्ष की ओर से चेतावनी दी जा चुकी है कि जितनी पुलिस लानी है जितने गुंडे बुलाने हैं, बुला लीजिए। हम डरने और पीछे हटने वाले नहीं हैं। 12 अक्टूबर सोमवार को ही विपक्ष का मुख्य न्यायाधीश से भी मिलने का कार्यक्रम है। विपक्ष दल मुख्य न्यायाधीश से यह बतायेंगे कि जब दिल्ली की सड़कों पर संविधान को तार—तार किया जा रहा है और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है, तब कानून के संरक्षक आंखों पर पट्टी डाल कर नहीं बैठ सकते। संविधान की धज्जियां उड़ेंगी तो विपक्ष चुप नहीं बैठ सकता। जवाबदेही तय करना ही होगी। ऐसा लगता है कि ये लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। युवा आक्रोश को दबाने की जितनी भी कोशिश सरकार करेगी उतना ही यह आंदोलन और तीव्र हो सकता है।

बीज पर अधिकार का सवाल

—निमिषा सिंह—

समय के साथ खेती बदली और इस बदलाव के साथ बीज की कहानी भी बदलती चली गई। आज बीज सिर्फ खेत में बोया जाने वाला दाना नहीं रह गया। उसके साथ बाजार, तकनीक, पेटेंट और कंपनियां जुड़ गई हैं। जाहिर है, जब बीज की दुनिया इतनी बदल गई, तो उस पर बहस भी होनी थी। यह बहस सिर्फ बीज की किस्मों तक सीमित नहीं रही, बल्कि किसान की पसंद, उसके अधिकार और खेती के भविष्य तक पहुंच गई। इसे समझने के लिए थोड़ा पीछे लौटना होगा— वहीं, जहां से खेती शुरू होती है, बीज से। पारंपरिक खेती में किसान अच्छी फसल से कुछ बीज अगली बुआई के लिए बचाकर रखता था। बेहतर किस्म के बीजों का आपस में आदान—प्रदान भी होता रहा। इससे अच्छे बीज एक किसान के खेत तक सीमित नहीं रहते थे। कौन—सा बीज किस मिट्टी में अच्छा फलेगा, कम पानी में कौन—सी किस्म टिकेगी और उसे वर्षों तक कैसे सुरक्षित रखना है, यह ज्ञान पीढ़ियों के अनुभव से बना था। यानी बीज सिर्फ फसल की शुरुआत नहीं, बल्कि किसान की अपनी तैयारी और आत्मनिर्भरता का हिस्सा था।

बीज जब खेत से निकलकर बाजार में पहुंचा, तो खेती के बदलते दौर के साथ बीजों की दुनिया भी बदली। हरित क्रांति में अधिक उत्पादन देने वाली हाइब्रिड किस्मों और उन्नत बीजों का इस्तेमाल बढ़ा, जिनमें अलग—अलग किस्मों के अच्छे गुणों को संकरण के जरिए एक साथ लाने की कोशिश की जाती है। इससे कई फसलों में बेहतर पैदावार मिली, लेकिन अगली पीढ़ी में वही गुण कायम रहें, यह जरूरी नहीं है। ऐसे में किसान को नया बीज खरीदना पड़ सकता है। फिर सवाल उठा कि बदलते बीज बाजार ने किसानों के लिए विकल्प बढ़ाए हैं या उनकी आत्मनिर्भरता को कमजोर किया है। इसके बाद बहस जीएम यानी आनुवंशिक रूप से संशोधित बीजों तक पहुंचती है। इनमें पौधे के आनुवंशिक गुणों में वैज्ञानिक तरीके से बदलाव कर कोई खास गुण लाने की कोशिश की जाती है— जैसे कीट प्रतिरोध, रोग—सहनशीलता या पोषण संबंधी गुण।

भारत में जीएम बीजों की बहस मुख्यतः बीटी कपास के अनुभव से जुड़ी रही है, जिसके परिणामों को लेकर भी अलग—अलग मत हैं। जीएम फसलों के खुले में उत्पादन को लेकर चिंताएं कम नहीं हैं। आशंका है कि अगर ये फसलें खुले में उगाई गईं, तो पर—परागण के कारण भारत की मूल प्राकृतिक फसलें हमेशा के लिए खत्म हो सकती हैं। इसी बीच, एचटी—बीटी जैसे अनधिकृत जीएम बीजों की बिक्री और खेती की खबरें भी सामने आती रही हैं। इससे एक बुनियादी सवाल उठता है कि जब अनधिकृत बीज नियमन से बाहर बाजार तक पहुंच सकते हैं, तो नई बीज तकनीकों की निगरानी और किसानों तक सही जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था कितनी मजबूत है?

यहीं से बीज की बहस एक विवादित तकनीक तक पहुंचती है— 'टर्मिनेटर सीड'। इसे 'जेनेटिक यूज रेस्ट्रिक्शन टेक्नोलॉजी' कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें, तो इसमें पौधे की अगली पीढ़ी के बीजों को इस तरह तैयार किया जा सकता है कि वे दोबारा बोने लायक न रहें। यानी किसान फसल तो पैदा करे, लेकिन उसके बीज को संरक्षित कर अगली फसल के लिए इस्तेमाल न कर सके। इसी वजह से यह तकनीक किसान की बीज—स्वायत्तता और जैव विविधता को लेकर विवाद में है। देश में ऐसी तकनीक से तैयार बीज की किस्मों के पंजीकरण पर कानूनी रूप से रोक है। जैव विविधता के संरक्षण से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते में भी सावधानी का रुख अपनाते हुए पर्याप्त वैज्ञानिक आकलन के बिना ऐसे बीजों की खेती के परीक्षण और व्यावसायिक इस्तेमाल को मंजूरी न देने की बात कही गई है। इसलिए 'टर्मिनेटर सीड' आज भारत में कोई सामान्य कृषि तकनीक नहीं है, लेकिन इसकी बहस एक बड़ा सवाल जरूर छोड़ती है कि खेती में बीज सिर्फ खरीदने—बेचने की वस्तु है या उस पर किसान का अपना अधिकार भी होना चाहिए?

खेती और बीजों की बहस आखिरकार हमारी थाली और स्वास्थ्य से भी जुड़ती है। किसी फसल का हाइब्रिड और उन्नत या जीएम होना अकेले उसकी स्वास्थ्य—सुरक्षा तय नहीं करता। यह भी देखना जरूरी है कि उसे उगाने में क्या इस्तेमाल हुआ। भोजन में उसके अवशेष कितने बचे और स्वास्थ्य पर क्या असर पड़ा। हर उत्पाद की अलग जांच जरूरी है। बहस डर की नहीं, जांच और पारदर्शिता की होनी चाहिए।

वर्ष 2023 में सूचना के अधिकार के तहत दी गई जानकारी में सामने आया कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के पास आयातित फल—सब्जियों में जीएम उत्पादों की जांच का ठोस डेटा नहीं था। मई, 2025 में प्राधिकरण ने जीएम खाद्य पदार्थों के आयात पर परामर्श पत्र जारी किया, लेकिन निगरानी पर सवाल अभी भी बने हुए हैं। क्या लोगों को यह जानने का अधिकार है कि उनकी थाली में क्या पहुंच रहा है? बीज का मसला खेत से अलग नहीं है। उसके साथ मिट्टी, पानी, खाद, कीटनाशक और खेती की पूरी लागत जुड़ी है। खेती अगर कुछ सीमित किस्मों पर निर्भर होती जाती है, तो स्थानीय जैव विविधता और फसलों की टिकाऊ क्षमता दोनों प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि मिट्टी की सेहत किसी एक तकनीक से तय नहीं होती। फसल चक्र, रासायनिक एवं जैविक पदार्थों का इस्तेमाल, पानी और पूरी खेती व्यवस्था इसमें अहम भूमिका निभाते हैं। सवाल सिर्फ आज की पैदावार का नहीं, कल की जमीन का भी है। उत्पादन बढ़े, लेकिन मिट्टी की उर्वरता घटे और खेती की लागत किसान की पहुंच से बाहर होती जाए, तो इसे लंबे समय की खाद्य सुरक्षा कैसे माना जाए? आखिर सुरक्षित और पौष्टिक भोजन की बुनियाद वही जमीन और किसान हैं, जो उसे पैदा करते हैं। जलवायु परिवर्तन ने खेती की चुनौती बढ़ा दी है। तापमान बढ़ रहा है, बारिश का मिजाज बदल रहा है, कहीं सूखा तो कहीं अचानक बाढ़ है। नए कीट और रोग भी सामने हैं। ऐसे में बीज की नई किस्मों और तकनीकों की जरूरत बढ़ी है, लेकिन इसका मतलब स्थानीय बीजों की जरूरत खत्म होना नहीं है।

शक्ति की आराधनाः मंत्रों से अधिक भावना का महत्व

—महेन्द्र तिवारी—

शारदीय नवरात्र का आगमन वर्षा ऋतु के समापन और शीत ऋतु के आरंभ के समय होता है। प्रकृति भी इस समय एक नए रूप में सजती है और संपूर्ण वातावरण में एक नई ताजगी तथा पवित्रता का वास होता है। इन 9 रातों में माँ दुर्गा के 9 अलग अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। भारतवर्ष पर्वों और उत्सवों की पावन भूमि है। यहाँ मनाए जाने वाले सभी त्योहारों का अपना एक विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन सभी पर्वों में शारदीय नवरात्र का स्थान अत्यंत विशिष्ट और पवित्र माना गया है। नव का अर्थ है 9 और रात्रि का अर्थ है रातों का समूह। यह 9 रातों और 10 दिनों का एक ऐसा पावन समय है जब संपूर्ण ब्रह्मांड में आदि शक्ति माँ भगवती की विशेष कृपा बरसती है। नवरात्र केवल एक साधारण व्रत या उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव मन और आत्मा की शुद्धि तथा दैवीय शक्ति के संचय का एक अत्यंत दुर्लभ अवसर है। यह समय हमें हमारी आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने और जीवन में व्याप्त अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है।

शारदीय नवरात्र का आगमन वर्षा ऋतु के समापन और शीत ऋतु के आरंभ के समय होता है। प्रकृति भी इस समय एक नए रूप में सजती है और संपूर्ण वातावरण में एक नई ताजगी तथा पवित्रता का वास होता है। इन 9 रातों में माँ दुर्गा के 9 अलग अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। प्रत्येक स्वरूप का अपना एक विशेष संदेश और महत्व है। माता के यह रूप हमें जीवन के विभिन्न चरणों और संघर्षों में साहस, धैर्य, करुणा और विजय की प्रेरणा देते हैं। शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें यह सिखाता है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए शक्ति का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना शक्ति के शांति और प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह शक्ति केवल शारीरिक नहीं है, बल्कि मानसिक और आत्मिक भी है।

अखबार हिन्दी मिलाप में प्रकाशित आराम से नामक स्तंभ में दी गई पूजन विधि के अनुसार, नवरात्र की उपासना अत्यंत सरल, क्रमबद्ध और भावपूर्ण है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य का आरंभ सदैव विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के पूजन से ही होता है। नवरात्र की उपासना में भी सबसे पहले भगवान गजानन का स्मरण और पूजन करना अनिवार्य माना गया है। साधक अपने हाथ में पवित्र जल, अक्षत अर्थात बिना टूटे हुए चावल, और पुष्प लेकर संकल्प करता है। संकल्प एक प्रकार की दृढ़ प्रतिज्ञा है। साधक माता से प्रार्थना करता है कि हे जगदम्बे, मैं इस पवित्र पूजन और व्रत के माध्यम से अपने संकल्प को पूर्ण करने के लिए आपका हृदय से आह्वान करता हूँ। संकल्प के पश्चात जल, अक्षत और कुमकुम से विधि विधान के साथ पूजन की शुरुआत होती है।

पूजन के मुख्य क्रम में सबसे पहला चरण माता का आह्वान और ध्यान है। साधक अपनी आँखें बंद करके माँ भगवती के उस दिव्य और भव्य स्वरूप का ध्यान करता है, जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में लीन थे और माता ने प्रकट होकर सृष्टि की रक्षा के लिए मधु और कैटभ नामक भयंकर राक्षसों का वध किया था। ध्यान का यह चरण मन को सांसारिक चिंताओं से मुक्त करके पूरी तरह से माता के चरणों में केंद्रित करने का एक माध्यम है। जब मन पूरी तरह से एकाग्र हो जाता है, तब माता की उपस्थिति का अनुभव हृदय में होने लगता है।

ध्यान के उपरांत माता को स्नान कराने की प्रक्रिया होती है। सर्वप्रथम शुद्ध और पवित्र जल से माता की प्रतिमा या यंत्र को स्नान कराया जाता है। इसके पश्चात पंचामृत से स्नान कराया जाता है। पंचामृत 5 अत्यंत पवित्र वस्तुओं का मिश्रण होता है जिसमें गाय का दूध, दही, घी, शहद और शर्करा मिलाई जाती है। स्नान कराते समय साधक यह भाव रखता है कि हे महादेवी, दूध, दही, घी, शहद और शर्करा के मिश्रण से तैयार यह उत्तम पंचामृत आपकी सेवा में प्रस्तुत है, कृपया इसे स्वीकार करें। पंचामृत स्नान के पश्चात एक बार फिर से शुद्ध जल से स्नान कराया जाता है ताकि माता का श्री विग्रह पूरी तरह से स्वच्छ हो जाए।

स्नान के बाद माता के श्रृंगार का चरण आता है। माँ भगवती को अत्यंत सुंदर और पवित्र वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। मुख्य वस्त्र के साथ साथ उपवस्त्र भी चढ़ाया जाता है। इसके बाद मस्तक पर चंदन और सिंदूर का तिलक लगाया जाता है जो सौभाग्य और सुहाग का प्रतीक है। माता को ताजे और सुगंधित पुष्पों की माला पहनाई जाती है। वस्त्र अर्पित करते समय साधक कहता है कि हे देवी, नाना प्रकार के सुंदर बेल बूटों और जरी गोटों से सुसज्जित यह अत्यंत उत्तम और मनमोहक वस्त्र मैं आपको समर्पित कर रहा हूँ। श्रृंगार का यह भाव हमें यह सिखाता है कि हम अपने जीवन में भी सुंदरता, पवित्रता और सदगुणों को धारण करें।

श्रृंगार के पश्चात माता को भोग अर्पित किया जाता है और दीप दर्शन कराया जाता है। माता के समक्ष अत्यंत श्रद्धा के साथ विविध प्रकार के उत्तम नैवेद्य, ऋतु फल, और स्वादिष्ट मिष्ठान्न रखे जाते हैं। इसके बाद सुगंधित धूप और दीप जलाकर माता को दिखाया जाता है। दीप का प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है और धूप की सुगंध हमारी प्रार्थनाओं की पवित्रता को दर्शाती है। यह प्रकाश अज्ञानता और बुराई के अंधकार को समाप्त करने का संदेश देता है। पूजन के अंतिम चरण में माता की आरती, प्रदक्षिणा और क्षमा प्रार्थना की जाती है। आरती के लिए विशेष रूप से कर्पूर का उपयोग किया जाता है। कर्पूर के साथ भीगे हुए ईंधन को जलाकर उसमें 1, 3, 5, 7 या इससे अधिक संख्या में बत्तियां बनाकर माता की मंगल आरती उतारी जाती है। कर्पूर जलकर पूरी तरह से समाप्त हो जाता है और कोई अवशेष नहीं छोड़ता, जो यह दर्शाता है कि हमारा अहंकार भी माता के समक्ष पूरी तरह से भस्म हो जाना चाहिए। आरती के बाद साधक अपने स्थान पर गोल घूमकर प्रदक्षिणा करता है। अंत में सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है क्षमा प्रार्थना। साधक हाथ जोड़कर कहता है कि हे माता, न तो मुझे आपकी भक्ति का कोई गहरा ज्ञान है और न ही मैं पूजा के कठिन मंत्रों को जानता हूँ। मैंने अपनी अल्प बुद्धि और क्षमता के अनुसार जो भी पूजन किया है, आप अपनी उदारता से उसे परिपूर्ण मानकर स्वीकार करें और मेरी सभी भूलों को क्षमा करें। नवरात्र पूजन का सबसे मूल और महत्वपूर्ण भाव यही है कि यदि पूजा के दौरान कोई मंत्र भूल भी जाए, या कोई सामग्री छूट भी जाए, तो साधक की भावना और श्रद्धा में कोई कमी नहीं आनी चाहिए। अज्ञानवश या अधिकता में किए गए पूजन से जगदम्बा सर्वकल्याणी महादेवी संतुष्ट ही होती हैं, क्योंकि वे केवल अपने भक्तों का सच्चा भाव देखती हैं।

मेडिकल कॉलेज में प्रसव के दौरान जच्चा–बच्चा की मौत, आधी रात को हंगामा

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवरहवा बाबा मेडिकल कॉलेज में शनिवार की आधी रात प्रसव के दौरान जच्चा बच्चा की मौत हो जाने से परिजनों ने जनकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है चिकित्सकों की लापरवाही से मरीज की मौत हो गई और मौत की बात छिपा कर रेफर किया जा रहा था। प्राइवेट अस्पताल ले जाने की तैयारी के दौरान मरीज की मौत की खुलासा होने के बाद परिजनों ने जमकर बवाल काटा। रात में प्राचार्य, सीएसएस समेत विभिन्न चिकित्साधिकारियों व मेडिकल कॉलेज के गार्डों ने हंगामा को संभाला और परिजनों का जांच का आश्वासन दे शांत कराया। परिजन शव लेकर घर चले गए ।

सदर कोतवाली थाना क्षेत्र के मलकौली निवासी राहुल गुप्ता की शादी मदनपुर थाना क्षेत्र के नवलपुर निवासी गुड़िया गुप्ता (22) से पिछले वर्ष 22 नवंबर को हुई थी। गुड़िया गर्भवती थी। परिजनों का आरोप है कई दिनों से उसे प्रसव पीड़ा हो रही थी। हफ्ते भर में हुई कई बार पीडा होने पर परिजन उसे हर बार मेडिकल कॉलेज ले गए और प्रसव में देरी की बात कह कर चिकित्सक लौटा दे रहे थे। शनिवार की दोपहर 3रू00 बजे गुड़िया को फिर प्रसव पीड़ा हुई तो परिजन मेडिकल कॉलेज ले गए। चिकित्सकों ने प्रसव पीड़ा बताकर उसे भर्ती कर लिया और इलाज शुरू कर दिए। रात्रि करीब 1रू00 बजे चिकित्सकों ने आशा द्वारा परिजनों को सूचना दिया की प्रसव के दौरान बच्चों की मौत हो गई है जबकि गुड़िया की हालत गंभीर है। उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर करना पड़ेगा। परिजन गोरखपुर न ले जाकर प्राइवेट अस्पताल भेजने के लिए मरीज को छोड़ने की बात किए तो चिकित्सक उनसे लिखवा कर गुड़िया को ले जाने की अनुमति दिए। परिजनों का आरोप है कि जब गुड़िया को मेडिकल से प्राइवेट एंबुलेंस में रखा गया तो एंबुलेंस चालक ने मरीज की मौत हो जाने की बात कह ले जाने से इनकार कर दिया। इस बात से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन हंगामा करने लगे। वह इलाज में लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। कि मरीज के अंदर मौत हो गई थी मौत की जानकारी होने पर परिजनों व गांव वालों की मेडिकल कॉलेज में भीड़ लग गई। वह चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल काटे। सूचना पाकर प्राचार्य, सीएमएस व मेडिकल कॉलेज के कर्मचारी व गार्डों तथा पुलिस ने पहुंच कर संभाला। अधिकारियों के जांच के आश्वासन पर लोग शांत हुए। गुड़िया का शव लेकर घर चले गए।

कन्या पूजन कर सीएम योगी ने दिया नारी सशक्तीकरण का संदेश, कहा– बेटियों के सम्मान से होगा रामराज्य

संवाददाता–बलरामपुर। बेटियों का सम्मान, उनकी सुरक्षा और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प ही रामराज्य की असली पहचान है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और स्वावलंबी होगी, वहीं रामराज्य की परिकल्पना साकार होगी। शारदीय नवरात्र के पहले दिन और अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवीपाटन मंदिर से नारी सशक्तीकरण, बालिका शिक्षा और सामाजिक समानता का संदेश दिया। रविवार को मंदिर परिसर में नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें चुनरी ओढ़ाई और उपहार भेंट किए। साथ ही 'शिक्षा की उड़ान' के तहत बच्चों को स्टडी टेबल और शिक्षण सामग्री बांटी, खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया और विराट किसान मेले का शुभारंभ कर किसानों को कृषि यंत्र वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां भगवती की आराधना तभी सार्थक है, जब समाज की प्रत्येक महिला की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित हो। भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति की उपासना की गौरवशाली परंपरा रही है। बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर देकर ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए विजयदशमी पर भगवान श्रीराम के विजय उत्सव को उल्लास के साथ मनाने का आह्वान किया।

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में स्कूल जाने वाली हर पांचवीं बेटी बीच में ही पढ़ाई छोड़ देती थी। पड़ताल में विद्यालयों में छात्राओं के लिए अलग शौचालय और स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी सामने आई। सरकार ने इन कमियों को दूर करने के लिए विद्यालयों में शौचालय, पेयजल, फर्नीचर और अन्य जरूरी सुविधाओं का विस्तार किया। उस समय 60 से 70 प्रतिशत बेटियां नंगे पैर स्कूल जाती थीं और कई बच्चों के पास सर्दियों में स्वेटर तक नहीं होते थे।

उन्होंने कहा कि अब प्रदेश के करीब 1.60 करोड़ स्कूली बच्चों को हर साल दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, स्वेटर और जूते–मोजे सहित जरूरी सुविधाएं दी जा रही हैं। ऑपरेशन कायाकल्प से सरकारी विद्यालयों की तस्वीर बदली है। स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ रही हैं। सरकार का लक्ष्य है कि आर्थिक तंगी किसी बच्चे की पढ़ाई में बाधा न बने।

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर में मंडलायुक्त और जिला प्रशासन की ओर से संचालित 'शिक्षा की उड़ान' पहल की सराहना की। विभिन्न परिषदीय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्टडी टेबल, आशीर्वाद पत्र और स्टेशनरी किट देकर पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। प्राथमिक विद्यालय धर्मपुर की छात्राओं गायत्री, प्रिया और जयश्री ने मुख्यमंत्री को ग्रीटिंग कार्ड, पुष्पगुच्छ, स्वरचित कविता और पुस्तक भेंट की।

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पुरस्कार और ट्रैकसूट दिए गए। इनमें लंबी कूद में प्रथम स्थान हासिल करने वाली कंचन, जूडो में रजत पदक विजेता प्राची जैन और कांस्य पदक विजेता संध्या यादव व ममता शामिल रहीं। ताइक्वांडो में उपलब्धि हासिल करने वाली पलक शुक्ला और अनाया गुप्ता समेत अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। सीएम योगी ने कहा कि आवास योजनाओं में महिलाओं को मालिकाना अधिकार देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं के नाम गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं। प्रदेश में तीन करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण महिलाओं की गरिमा और स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वृद्धावस्था, निराश्रित महिला और दिव्यांगजन पेंशन योजनाओं के तहत करीब 1.10 करोड़ परिवारों को सालाना 12 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने किसान मेले और विभागीय प्रदर्शनी का उद्घाटन कर कृषि, उद्यान, रेशम विकास, पराग मिल्क और कृषि विज्ञान केंद्र के स्टॉलों का अवलोकन किया। कस्टम हायरिंग सेंटर योजना के तहत जगनारायण और मोतीलाल यादव को चाबियां तथा सर्वेश्वर मणि तिवारी, दिलीप कुमार और हरीश कुमार को पावर स्प्रेयर प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीक, यंत्रीकरण और बेहतर सिंचाई से उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार के प्रयासों को गति मिलेगी। सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना के पूरा होने और शाखाओं के विस्तार से सिंचाई सुविधाएं मजबूत होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा, जब विकास योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। कार्यक्रम में देवीपाटन मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ, विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, पल्टूराम, रामप्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल और डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन समेत जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी, खिलाड़ी और किसान मौजूद रहे।

लाभार्थियों को बांटे गए लैपटॉप, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण

संवाददाता–महराजगंज। सेवा संकल्प अभियान के तहत शहर के नवीन मंडी परिसर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित करने के लिए समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने लाभार्थियों में लैपटॉप, दिव्यांगजनों में सहायक उपकरण वितरित किया। साथ ही कन्या जन्म उत्सव के अवसर पर बेबी किट वितरित की गईं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से एक माह तक सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाई जा रही है। सरकार का प्रमुख उद्देश्य गरीबों, वंचितों, पिछड़ों तथा सुदूर क्षेत्रों में रहने वाले लोगों सहित समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से पात्र व्यक्तियों को सहायता मिल रही है और देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पहुंचाने पर बल दिया। समारोह के दौरान जिला प्रोबेशन विभाग की ओर से मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत वर्ष 2019 में माता–पिता की असामयिक मृत्यु के कारण प्रभावित एवं आश्रित 50 बच्चों को लैपटॉप वितरित किए गए। ताकि उनकी शिक्षा एवं डिजिटल अध्ययन को बढ़ावा मिल सके। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कन्या जन्म उत्सव के अवसर पर 15 लाभार्थियों को बेबी किट प्रदान की गईं। वहीं, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 14 लाभार्थियों को बैटरी चालित साइकिल तथा 20 लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल वितरित की गईं। जिला उद्योग केंद्र द्वारा छह लाभार्थियों को टूल किट वितरित की गईं तथा उद्योग स्थापना के लिए ऋण स्वीकृति संबंधी सहायता प्रदान की गई। इससे पूर्व पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने जनकल्याणकारी योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सीडीओ महेंद्र कुमार सिंह, डीडीओ भोलानाथ कन्नौजिया, पीडी रामदरश चौधरी, उपजिलाधिकारी सदर, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर, प्रभारी दिव्यांगजन अधिकारी अभय पाण्डेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय सहित भाजपा के पदाधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी उपस्थित रहे।

बच्चों की मासूम अपील पर हुई सुनवाई जिलाधिकारी ने जलनिकासी शुरू कराई

संवाददाता–महराजगंज। आनंदनगर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 11 स्थित फरेंदा उत्तरी बाईपास के पास सड़क पर जलभराव से परेशान बच्चों की मासूम गुहार डीएम गौरव सिंह सोगरवाल तक पहुंच गई। सड़क पर भरे पानी के बीच खड़े होकर डीएम अंकल हमें जलभराव से बचाइए, कहने वाले तीन बच्चों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो प्रशासन ने इसका संज्ञान लिया। डीएम के निर्देश पर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी कर्मचारियों और जेसीबी के साथ मौके पर पहुंचे। सड़क से जलभराव दूर कराने के लिए काम कराया गया। बच्चों की अपील पर हुई इस कार्रवाई के बाद अब स्थानीय लोगों को सड़क की स्थायी मरम्मत का इंतजार है। फरेंदा उत्तरी बाईपास के पास सड़क पर पानी जमा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। इस रास्ते से गुजरने वाले बच्चों को भी स्कूल आने–जाने में परेशानी हो रही थी। इसी समस्या को सामने लाने के लिए तीन बच्चों ने पानी के बीच खड़े होकर वीडियो बनाया। वीडियो में बच्चे हाथ जोड़कर डीएम से सड़क की समस्या दूर कराने की अपील करते नजर आए। उन्होंने जलभराव से होने वाली परेशानी बताते हुए डीएम अंकल से मदद मांगी। बच्चों की इस अपील का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने लगा। वीडियो में एक छोटी बच्ची की अपील ने भी लोगों का ध्यान खींचा।

सड़क पर जलभराव की समस्या को लेकर बच्चों की अपील सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने वीडियो का संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर नगर पंचायत आनंदनगर के अधिशासी अधिकारी कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। जलभराव दूर कराने के लिए जेसीबी से काम कराया गया। इस कार्रवाई से सड़क की समस्या प्रशासन के संज्ञान में आने और मौके पर काम शुरू होने की जानकारी सामने आई।

नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी अनुज भारती ने बताया कि जलभराव की समस्या को दूर कराने के लिए मौके पर काम कराया गया है। सड़क की मरम्मत भी जल्द कराई जाएगी। इससे स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सड़क की स्थिति सुधरेगी और बच्चों को स्कूल आने–जाने में होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी। अब देखना होगा कि सड़क की मरम्मत कब तक शुरू होती है और जलभराव की समस्या दोबारा न हो, इसके लिए क्या व्यवस्था की जाती है। जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर रविवार को नगर पंचायत आनंदनगर की टीम ने जल निकासी सुनिश्चित कराई। बच्चों की अपील का संज्ञान लेते हुए डीएम ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद नगर पंचायत की टीम ने जेसीबी की मदद से जल निकासी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की। सड़क पर आवागमन सुचारु करने के लिए भी कार्रवाई की जा रही है।

नेपाल के सियार खोला में भूस्खलन से अस्थायी बांध टूटा, नारायणी नदी की ओर बढ़ा मलबा

संवाददाता–महराजगंज। पड़ोसी देश नेपाल के रसुवा जिले में सियार खोला नदी के प्रवाह में बना अस्थायी कृत्रिम बांध भूस्खलन के कारण रविवार को अचानक टूट गया। इस प्राकृतिक अवरोध के हटने से जमा गाद, भारी मलबे व बड़े पत्थरों से युक्त पानी का तेज बहाव अब निचले इलाकों की ओर नारायणी नदी में आ रहा है। हालांकि सिंचाई विभाग का कहना है कि इसका वाल्मिकीनगर बैराज पर असर नहीं पड़ेगा, लेकिन विभाग पूरी तरह अलर्ट है। पहाड़ी ढलान खिसकने से खारोंग और उंगजुलुंग के बीच नदी का रास्ता अवरुद्ध हो गया था, जिससे जलभराव के बाद एक अस्थाई झील बन गई थी।

नेपाली मीडिया और नेपाल जल विज्ञान तथा मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी ताजा अपडेट के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में जारी भूस्खलन के चलते पहाड़ों से मलबा और विशाल चट्टानें पानी के साथ बहकर आ रही हैं। नेपाल के जल प्रबंधन व आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्राधिकरण ने सियार खोला और नारायणी नदी के निचले तटीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को उच्च सतर्कता बरतने तथा नदी की धारा से दूर रहने की एडवाइजरी जारी की है।

नेपाल के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में पानी के साथ आ रहे मलबे और गाद को देखते हुए भारतीय जल संसाधन व सिंचाई विभाग सतर्क हो गया है। हालांकि स्थिति का आकलन करने के बाद सिंचाई विभाग ने सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों को घबराने न देने का भरोसा दिलाया है। इस मामले में सिंचाई खंड द्वितीय के अधिशासी अभियंता राजीव कपिल ने बताया कि नेपाल के सियार खोला में अस्थायी बांध टूटने और मलबे के प्रवाह की जानकारी मिली है। पानी में गाद और मलबे की मात्रा अधिक जरूर है, लेकिन वाल्मीकि बैराज की दूरी और विशाल जल धारण क्षमता को देखते हुए इस घटना का बैराज पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा। जल स्तर और डिस्चार्ज की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, पीठ और हाथ में लगी गोली

संवाददाता–गोण्डा। छपिया थाना क्षेत्र में रविवार तड़के बाइक सवार युवक पर चार पहिया वाहन से पहुंचे लोगों ने कई राउंड फायरिंग कर दी। मदनपुर गांव के पास मसकनवा–गौराचौकी मार्ग पर हुई इस घटना में 33 वर्षीय भोला पांडेय घायल हो गए। उनके दाहिने हाथ की उंगली और पीठ में गोली लगी है। उन्हें गोंडा जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित भोला पांडेय छपिया थाना क्षेत्र के सुमेरपुर नाकई बनकट के निवासी हैं। उनकी तहरीर के मुताबिक, रविवार तड़के करीब 3रू30 बजे वह अपने भांजे सूरज मिश्रा और शिवम पांडेय के साथ बाइक से मसकनवा–गौराचौकी मार्ग पर मदनपुर गांव के पास पहुंचे थे। गोंडा जाने के लिए वे वहां रुके हुए थे। इसी दौरान मसकनवा की तरफ से चार पहिया वाहन में सवार होकर

कई लोग पहुंचे। भोला का आरोप है कि अभिषेक राणा निवासी नरिचा, थाना छपिया, विवेक मदनवाल निवासी चंद्रदीप घाट, थाना खोड़ारे, शशांक पांडेय और कुछ अज्ञात लोग असलहे व अन्य हथियार लेकर आए। आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और उन पर कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली लगने से भोला घायल हो गए। फायरिंग के दौरान भोला के साथ मौजूद सूरज मिश्रा और शिवम पांडेय सुरक्षित रहे। घायल भोला किसी तरह अपनी जान बचाकर पुलिस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें गोंडा जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया।

छपिया थाना प्रभारी उमेश कुमार ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर गोलीकांड हुआ है। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायल भोला पांडेय से भी घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए तीन पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

कलश यात्रा के दौरान नदी में डूबा युवक, मौत

संवाददाता–बहराइच। दुर्गा पूजा के लिए निकाली गई कलश यात्रा के दौरान रविवार दोपहर 12 बजे एक युवक नदी में डूब गया। हादसा हुजूरपुर थाना क्षेत्र के कटका घाट पर हुआ। करीब तीन घंटे की तलाश के बाद दोपहर 3 बजे युवक का शव बरामद किया गया। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। कैसरगंज थाना क्षेत्र के विजयपुर निवासी मनोज शर्मा (18) पुत्र मन्नालाल शर्मा रविवार को दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में आयोजित कलश यात्रा में शामिल हुआ था। यात्रा के दौरान वह कटका घाट पर नदी से जल भरने पहुंचा। इसी दौरान वह नदी में डूब गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

युवक की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों की मदद ली गई। काफी प्रयास के बाद दोपहर 3 बजे उसका शव नदी से बरामद हुआ। हादसे की सूचना पर हुजूरपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। मनोज की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। युवक की असमय मौत से परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। दुर्गा पूजा के धार्मिक आयोजन के दौरान हुए हादसे से विजयपुर गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है।

प्रभारी मंत्री ने बनाई रणनीति, कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

संवाददाता–महराजगंज। स्थानीय लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में जिले के प्रभारी–आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं की संवाद बैठक आयोजित हुई। बैठक में विधान परिषद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव की समीक्षा की गई तथा भाजपा समर्थित प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए जिलेव्यापी रणनीति तैयार की गई। प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। प्रभारी मंत्री डॉ. दयालु ने कहा कि शिक्षक समाज राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों तथा हितों की रक्षा करना पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्याशी के पक्ष में प्रभावी जनसंपर्क करने, शिक्षकों से संवाद स्थापित करने तथा पार्टी की नीतियों एवं प्रत्याशी के विचारों को उन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में पूरे जिले की चुनावी योजना एवं कार्ययोजना पर चर्चा की गई। संपर्क टोलियों और चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेदारियों की जानकारी लेते हुए प्रभारी मंत्री ने चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। कार्यकर्ताओं से संवाद कर जीत सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुझाव भी प्राप्त किए गए। इस अवसर पर पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, जिला उपाध्यक्ष शैलेश पांडेय, जिला महामंत्री राजेश यादव, बबलू यादव, प्रभाकर दुबे, अश्वनी सिंह उर्फ माधुरी सिंह, डॉ. शांतिशरण मिश्र, नगर अध्यक्ष आकाश श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी संजीव शुक्ला, जिला मंत्री बैजनाथ पटेल, भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री नरेंद्र खरवार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की पूजा–अर्चना कर मांगा सुख–समृद्धि का आशीर्वाद

संवाददाता–महराजगंज। शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को जिले के प्रमुख दुर्गा मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। सुबह से ही मां दुर्गा के दर्शन–पूजन के लिए महिलाओं की लंबी कतारें लगी रहीं। बृजमनगंज क्षेत्र के लेहड़ा दुर्गा मंदिर, महराजगंज शहर के दुर्गा मंदिर और नौतनवा क्षेत्र के बनैलिया देवी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महिलाओं ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर मां दुर्गा से परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में शीश नवाकर नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्र पर्व की शुरुआत की।

ग्रामीणों ने भरी हुंकार, सड़क नहीं तो वोट नहीं

संवाददाता–महराजगंज। लक्ष्मीपुर क्षेत्र में मोहनापुर फारेस्ट सड़क से सिंहपुर थरौली सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। मोहनापुर ढाला फॉरेस्ट रोड से सिंहपुर थरौली तक सड़क निर्माण की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकजुट होकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बहिष्कार करने का ऐलान किया है। ग्रामीणों ने रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद करते हुए जिम्मेदारों व सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। बदहाल आवागमन के चलते क्षेत्रीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के मुताबिक, इस सड़क का निर्माण आसपास के करीब दर्जन भर गांवों के लोगों के

लिए बेहद जरूरी है। इसके बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने कहा कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। सड़क निर्माण की दिशा में ठोस कार्रवाई होने तक उनकी मांग जारी रहेगी। ग्रामीणों ने साफ कहा कि वर्षों से लंबित इस समस्या का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है और सड़क निर्माण को लेकर जिम्मेदारों को गंभीरता दिखानी चाहिए।

इस दौरान संरक्षक नागेंद्र चौधरी, अध्यक्ष रविकांत चौधरी, पूर्व प्रधान मोहनापुर मोहम्मद उमर उर्फ सुस्ताती, रामवृक्ष चौधरी, दिनेश गुप्ता, इरफान उर्फ जुगानी, मकसूद आलम, मिथिलेश उर्फ मुन्ना, ग्राम प्रधान गुलशन, सुनील पांडेय, गजेंद्र पांडेय, घनश्याम गुप्ता, शंभूनाथ पांडेय, नागेन्द्र यादव, मोहम्मद आरिफ, मिथलेश उर्फ मुन्ना, विरेन्द्र चौधरी, विरेन्द्र, इरफान अहमद उर्फ जुड़ानी, संजय चौधरी , वकील, मुन्नू, उपेन्द्र चौधरी, घिसियावन, कबीर, मेवालाल चौधरी, रमजान, कतवारू, मोविन, चौतू, इन्द्रेश चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामलला का पंचामृत अभिषेक, देवी को कुमकुम अर्पित कर सहस्त्रार्चनः नौ दिन वैदिक मंत्रों से होगी आराधना

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शारदीय नवरात्र के पहले दिन राम जन्मभूमि परिसर भक्ति और शक्ति की उपासना से सराबोर नजर आया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रामलला और राम दरबार का पंचामृत सहित विभिन्न पवित्र द्रव्यों से अभिषेक किया गया। वहीं, परिसर स्थित माता दुर्गा के मंदिर में कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। देवी को कुमकुम अर्पित कर सहस्त्रार्चन किया गया। राम मंदिर के परकोटे में स्थित दुर्गा मंदिर में नवरात्र पर कलश स्थापना के साथ विशेष पूजन शुरू हुआ है। पूरे नौ दिन परिसर में राम भक्ति के साथ शक्ति आराधना की परंपरा भी विशेष रूप से दिखाई देगी। नवरात्र के पहले दिन निर्धारित विधि–विधान के अनुसार रामलला और राम दरबार का अभिषेक किया गया। दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक के बाद नारियल के जल से स्नान कराया गया। पंचामृत और सरयू जल से अभिषेक की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भगवान का मनोहारी शृंगार किया गया। इस अवसर पर रामलला को रत्न जड़ित लाल वस्त्र धारण कराए गए। मंदिर में मंत्रोच्चार और पारंपरिक पूजा पद्धति के बीच श्रद्धालुओं ने आराध्य के दर्शन किए। रामलला, राम दरबार और माता भगवती और माता अन्नपूर्णा के मंदिर में नौ दिवसीय अनुष्ठान संपन्न कराने के लिए 11 वैदिक आचार्यों को लगाया गया है। पूजा–पाठ की अलग–अलग जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। वाल्मीकि रामायण का पारायण, रामचरित मानस का पारायण, रामरक्षा स्त्रोत, श्रीराम सहस्त्रनाम के पाठ सहित देवी के मंत्रों से यज्ञकुंड में आहुति अर्पित की जा रही है। राम जन्मभूमि परिसर स्थित माता दुर्गा के मंदिर में नवरात्र के पहले दिन विशेष पूजा–अर्चना की गई। देवी का महाभिषेक कर कुमकुम से सहस्त्रार्चन किया गया। मंदिर के पुजारी के अनुसार, पूरे नौ दिन मां दुर्गा का कुमकुम से सहस्त्रार्चन किया जाएगा। देवी को प्रतिदिन अड़हुल के लाल पुष्पों की विशेष माला अर्पित करने की भी तैयारी है। नवरात्र के दौरान देवी सप्तशती के पाठ और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से शक्ति की आराधना की जाएगी।

भाजपा सांसद अभिनेत्री कंगना रनौत का अयोध्या में जोरदार स्वागत, किया शो–रूम का उद्घाटन

संवाददाता–अयोध्या। विख्यात अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी से भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सदस्य कंगना रनौत रविवार को अयोध्या पहुंचीं। पीएनजी ज्वेलर्स की ब्रांड एंबेसडर कंगना रनौत ने अयोध्या में नये शो रूम का उद्घाटन किया। अयोध्या में कंगना रनौत को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उन्होंने अयोध्या के रिकाबगंज में पीएनजी ज्वेलर्स के नए शोरूम का उद्घाटन किया। शोरूम के उद्घाटन कार्यक्रम में अयोध्या से भाजपा के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता भी मौजूद थे।

कंगना रनौत के अयोध्या पहुंचने की सूचना पर उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी एक झलक पाने के लिए लोग कार्यक्रम स्थल पर भी जुटे। अयोध्या से रविवार को तीन बजे लखनऊ एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले कंगना रनौत राम लला के मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगी। इससे पहले लखनऊ में सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर–मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के आह्वान पर कहा कि इस समय देश के लिए राष्ट्रविरोधी तत्वों, आतंकवादी ताकतों और अंतरराष्ट्रीय साजिशों की चुनौतियां गंभीर चिंता का विषय हैं। कंगना ने आरोप लगाया कि अलग–अलग बहानों से देश और नागरिकों को परेशान करने की कई साजिशें चल रही हैं।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अमर शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को तीन दिवसीय जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। श्री देशराज नारंग दयानंद इंटर कॉलेज वाल्टरगंज एवं एसएचएस एंड जीआरएस इंटर कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अनूप कुशवाहा तथा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मार्कण्डेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन–अर्चन कर तथा मार्च पास्ट की सलामी लेकर किया। प्रतियोगिता में जनपद के चारों क्षेत्रों हर्रैया, रुधौली–भानपुर, बस्ती उत्तरी और बस्ती दक्षिणी के लगभग 400 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट के माध्यम से अनुशासन, एकता और खेल भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न ट्रैक स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। 800 मीटर दौड़ में बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। अंडर–19 बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में रुधौली–भानपुर क्षेत्र की फरजाना खातून ने प्रथम, बस्ती दक्षिणी की आरती ने द्वितीय तथा इसी क्षेत्र की सलोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंडर–17 बालक वर्ग में बस्ती दक्षिणी के अंकुल प्रथम, आरुष राज द्वितीय तथा हर्रैया के मुरलीधर तृतीय स्थान पर रहे। अंडर–17 बालिका वर्ग में बस्ती उत्तरी की नंदिनी ने प्रथम, बस्ती दक्षिणी

–800 मीटर दौड़ में फरजाना खातून अंकुल, नंदिनी ने मारी बाजी

की तैय्यबा ने द्वितीय तथा हर्रैया की अंशिका ने तृतीय स्थान हासिल किया। अंडर–14 बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ में बस्ती दक्षिणी के अजीत प्रथम, बस्ती उत्तरी के मोहम्मद सैफ द्वितीय तथा हर्रैया के कृष्णा तृतीय स्थान पर रहे। वहीं, 600 मीटर बालिका दौड़ में बस्ती उत्तरी की शाइमा खातून ने प्रथम और हर्रैया की अंकिता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास का आधार हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वह खेल के माध्यम से जनपद, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सके। उन्होंने विश्वास जताया कि यह प्रतियोगिता नई खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं खिलाड़ियों की व्यवस्थाओं की निगरानी प्रभाकर ओझा, अमित कुमार यादव, संतोष कुमार पाण्डेय, अजय कुमार वर्मा तथा कृष्ण कुमार पाठक की देखरेख में की जा रही है। विभिन्न स्पर्धाओं में निर्णायक की भूमिका रमेश चंद्र गुप्ता, विवेक कुमार श्रीवास्तव, माता प्रसाद त्रिपाठी, राजकुमार यादव, विनय कुमार सिंह, जगन्नाथ यादव, सुभाष यादव, अरुण कुमार, अभिषेक कुमार, अमित कुमार मिश्रा, अखिलेश कुमार वर्मा, मनोज कुमार राय, हरीश सिंह और सुरेंद्र कुमार शुक्ला सहित जनपद के अनेक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने निभाई।

कार्यक्रम का संचालन वेद प्रकाश द्विवेदी एवं रमा शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. प्रमोद कुमार उपाध्याय एवं हरिराम बंसल ने अतिथियों, गणमान्य नागरिकों और जनपद के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों का स्वागत करते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कमलेश कुमार द्विवेदी, मुस्लिम खातून, योगेश शुक्ला, विद्याधर वर्मा, संदीप श्रीवास्तव, अरुण मिश्रा, रामभवन, देवेंद्र नाथ मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

गैस रिसाव से लगी आग में झुलसे बुजुर्ग की मौत, पत्नी और नौकरानी की हालत गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के राप्तीनगर फेज–एक स्थित एलआइजी–156 मकान में गैस रिसाव से लगी आग में झुलसे रंजन दास (75) की रविवार भोर में मौत हो गई। बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। हादसे में झुलसी उनकी पत्नी जया दास (70) और घर में काम करने वाली दशावती देवी (65) की हालत गंभीर बनी हुई है। गैस एजेंसी का हाकर इंद्रेश (40) भी आग की चपेट में आने से झुलस गया था। राप्तीनगर फेज–एक निवासी रंजन दास के घर में शनिवार सुबह गैस सिलेंडर धीमा जल रहा था। उसे ठीक कराने के लिए उन्होंने हिमांशु गैस के हाकर इंद्रेश को बुलाया था। सुबह करीब 9:15 बजे सिलेंडर की पाइप की सफाई के दौरान गैस रिसाव की जांच की जा रही थी। इसी दौरान अचानक आग लग गई। इसकी चपेट में आने से रंजन दास, उनकी पत्नी जया दास और घर में बर्तन साफ करने आई दशावती देवी झुलस गईं। आग की चपेट में आने से हाकर इंद्रेश के हाथ में झुलस गए। आग लगने के बाद घर में अफरा–तफरी मच गई। पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने घर में घुसकर बुजुर्ग दंपति को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पीआरवी के माध्यम से जानकारी मिलने पर शाहपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। तीन घायलों को उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कालेज भेजा गया, जबकि इंद्रेश अपने हाथ में लगी चोट का उपचार कराने निजी अस्पताल चला गया था। गंभीर रूप से झुलसे रंजन दास की रविवार भोर में उपचार के दौरान मौत हो गई। रंजन दास मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले थे। वह करीब 30 वर्ष से राप्तीनगर में मकान लेकर परिवार के साथ रह रहे थे। पहले रिश्तेदार के साथ ठेकेदारी का काम करते थे, लेकिन स्वास्थ्य खराब होने के कारण काम बंद कर दिया था। उनको एक बेटा प्रतीक दास और एक बेटी अंजलि है। दोनों की शादी हो चुकी है। उनका बेटा निजी स्कूल में शिक्षक है। रंजन दास अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहते थे। घर में खाना बनाने और बर्तन साफ करने के लिए दशावती देवी सुबह–शाम आती थीं।

पिकअप की टक्कर से साइकिल सवार बढ़ई की मौत, दो घायल

संवाददाता–अंबेडकरनगर। रविवार को तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से साइकिल सवार सुरेश विश्वकर्मा (63) की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, टांडा ले जाया गया। वहां से उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर रेफर किया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके।

हादसा टांडा–मया मार्ग पर पकड़ी भोजपुर पेट्रोल पंप के पास हुआ। सुलेमपुर निवासी सुरेश विश्वकर्मा बढ़ईगीरी का काम करते थे। उन्होंने अपने पिता राम सुरेश विश्वकर्मा से फर्नीचर बनाने और बढ़ईगीरी की बारीकियां सीखी थीं। इसी हुनर के सहारे उन्होंने परिवार की जिम्मेदारियां निभाईं। उम्र बढ़ने के साथ उन्होंने कामकाज कम कर दिया था और अब ज्यादातर समय घर पर ही बिताते थे। रविवार को वह किसी निजी काम से साइकिल लेकर बाजार जा रहे थे। टांडा–मया मार्ग पर पकड़ी भोजपुर पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सुरेश उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा पहुंचाया गया। उनकी नाजुक हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जिस व्यक्ति को परिजन इलाज के बाद स्वस्थ होकर लौटने की उम्मीद में अस्पताल ले गए थे, उसकी मौत की खबर ने सभी को तोड़कर रख दिया। सुरेश की पत्नी भगवानदेई का कई वर्ष पहले निधन हो चुका है। परिवार में उनका इकलौता बेटा और विवाहित बेटी गुड़िया है। पिता की मौत से बेटे और बेटी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। वहीं, ससुर की मृत्यु की खबर सुनकर बहू उर्मिला का रो–रोकर बुरा हाल है। घर में बुजुर्ग की मौत से मातम पसरा हुआ है। परिवार के लोग इस हादसे से स्तब्ध हैं। दूसरे हादसे में सम्मनपुर के हरपुर निवासी सुनील के मुताबिक उनके बड़े भाई रणजीत वर्मा (45) जहांगीरगंज के देवरिया बाजार में एक ढाबे में मजदूरी करते थे और कुछ दूरी पर देवचनपुर स्थित अपनी ससुराल में रुकते थे। शनिवार की रात ढाबा बंद होने के बाद वह घर आ रहे थे। रात 9:30 बजे रामनगर के सम्मोमाता मंदिर के पास पहुंचे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी और वे सिर के बल सड़क पर गिर गए। हेलमेट न पहने होने के चलते उनके सिर में गंभीर चोटें आ गईं। पिकअप चालक वाहन लेकर भाग निकला। मौके पर पहुंचे साले अभिषेक ने सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

11 हजार महिलाओं की भव्य कलश यात्रा के साथ शतचंडी महायज्ञ शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती की सुख–समृद्धि, विकास और जनकल्याण की कामना के साथ रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें 11 हजार महिलाओं ने सहभागिता की। इसी के साथ बस्ती में भव्य शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ हो गया, जिसके मुख्य यजमान पहल वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक अध्यक्ष मनीष मिश्रा होंगे। दिल्ली से आए मुख्य पुरोहित आचार्य अजय पाण्डेय के नेतृत्व में विद्वान पुरोहितों का दल वैदिक विधि–विधान से महायज्ञ संपन्न कराएगा। जीवनदायिनी और पूजनीय कुआनो नदी के तट पर स्थित अमहट शिव मंदिर में सुबह से ही हजारों महिलाओं की श्रद्धा उमड़ी। वैदिक मंत्रोच्चार और माता के जयघोष के बीच मनीष मिश्रा की उपस्थिति में कलश यात्रा प्रारंभ हुई। यात्रा अमहट शिव मंदिर से झंडा तिराहा, शास्त्री चौक, कंपनी बाग, गांधीनगर, जीआईसी, रोडवेज, मालवीय रोड,

बस्ती की सुख–समृद्धि, विकास और जनकल्याण शतचंडी महायज्ञ का उद्देश्य– मनीष मिश्रा

ब्राह्मण महासभा और सीएमएस स्कूल के समीप सेवा हॉस्पिटल वाली गली से होते हुए जीडी मिश्रा के आवास स्थित यज्ञ स्थल पर सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर मनीष मिश्रा ने कहा, "यह शतचंडी महायज्ञ किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण बस्ती के कल्याण का संकल्प है। हम मां भगवती से बस्ती की समृद्धि, विकास, सुख–शांति और प्रत्येक परिवार की खुशहाली का आशीर्वाद मांगेंगे। इस आयोजन का नेतृत्व मैं नहीं, बल्कि बस्ती की नारी शक्ति कर रही है। पहल वेलफेयर सोसाइटी की 'राम जी का झोला', 'राम जी का पेड़' सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी हमारी माताएं–बहनें इसकी वास्तविक सूत्रधार हैं।"

उन्होंने कहा कि मातृशक्ति की अगुवाई में आयोजित यह महायज्ञ बस्ती के आध्यात्मिक गौरव, सामाजिक एकता और जनकल्याण के सामूहिक संकल्प का प्रतीक बनेगा।

कलश यात्रा के दौरान पूरे मार्ग पर भक्तिमय वातावरण रहा और हजारों महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। मनीषा, संध्या, प्रिया, उर्मिला, सरोज, भानमती, निर्मला, रिंकी, संजय मिश्रा, जीडी मिश्रा, राकेश राजभर, श्रवण यादव, आकाश सोनी, शिवम मिश्रा, अमित चौबे, विमल पाण्डेय, रामू पाठक, लवी, आवेश, विजय सिंह, सतेंद्र चौबे, ओमप्रकाश चौहान, निखिल द्विवेदी, राजकुमार चौधरी, संदीप गुप्ता, सूरज गौड़, ईश्वर दीन, मनोज सोनी, विमल सिंह, आवेश, सुनील, लड्डन, आकाश शुक्ला, अनिकेत राजभर, आकाश सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में कलश यात्रा में श्रद्धालु शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /
T202517140205380
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर बस्ती जिला बस्ती

शम्भूनाथ आदि

बनाम

फूलमती आदि

साकिन बंजरिया तप्पा कोटिला परगना बस्ती पूरब, तहसील भानपुर, जिला– बस्ती

1. इसरावती उम्र 55 वर्ष पत्नी तुलसीराम साकिन बंजरिया तप्पा कोटिला परगना बस्ती पूरब, तहसील भानपुर, जिला– बस्ती 2. सूर्यनरायन पंकज उम्र 45 साल पुत्र बुद्धिसागर साकिन उकड़ा तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 13–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 09 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

राम लाल के दर्शन के बाद, मां कालिका के भजन का हुआ लान्चिंग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भजन गायिका अर्चना मिश्रा ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन–पूजन किए। इसके बाद दंतधावन कुंड स्थित अचारी मंदिर में मां कालिका को समर्पित भजन की लॉन्चिंग में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने अपनी संगीत यात्रा और आगामी योजनाओं की जानकारी साझा की। मूल रूप से सुल्तानपुर की रहने वाली और वर्तमान में गुरुग्राम में निवास कर रहीं अर्चना मिश्रा ने बताया कि अयोध्या और भगवान श्रीराम से उनका विशेष लगाव है। श्रीराम मंदिर के उद्घाटन से प्रेरित होकर उन्होंने अपना पहला भजन प्रभु श्रीराम को समर्पित किया था। श्रोताओं से मिले प्रोत्साहन के बाद उन्होंने विभिन्न देवी–देवताओं

काशी के शिव भजन की शूटिंग पूरी, मथुरा और उज्जैन पर भी भजन लाने की तैयारी

और तीर्थस्थलों की महिमा को संगीत के माध्यम से प्रस्तुत करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि चामुंडा माता, मां बगलामुखी और मां कालिका सहित विभिन्न देवी स्वरूपों पर आधारित उनके भजन यूट्यूब पर उपलब्ध हैं। भजन लेखन और संगीतबद्ध करने में रुचि रखने वाली अर्चना मिश्रा का उद्देश्य भारतीय धार्मिक परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत को सुरों के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाना है। अर्चना मिश्रा ने बताया कि काशी के भगवान शिव पर आधारित भजन की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसे जल्द ही रिलीज करने की तैयारी है। इसके अलावा मथुरा के कान्हा जी को समर्पित भजन भी श्रोताओं के बीच लाने की योजना है। आने वाले समय में उज्जैन सहित देश के अन्य प्रमुख तीर्थस्थलों पर आधारित भजन तैयार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या से मिली प्रेरणा के बाद उनकी कोशिश है कि देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की महिमा और उनसे जुड़ी आस्थाओं को भजनों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /2024
T202517140200099
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय भानपुर बस्ती जिला बस्ती

दयाराम

बनाम

कन्हैया आदि

साकिन विशुनपुर, तप्पा उमरा, परगना बस्ती पूरब, तहसील भानपुर, जिला– बस्ती

1. कन्हैया पुत्र मुनिराम निवासी साकिन– विशुनपुर, तप्पा– उमरा, परगना– बस्ती पूरब, तहसील– भानपुर, जिला– बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. राकेश कुमार त्रिपाठी पुत्र रामसूरत त्रिपाठी निवासी साकिन–सिसवा बरूआर, तप्पा–उमरा, परगना बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती 3. गनेश प्रसाद पुत्र विष्णु भगवान निवासी साकिन हनुमानगंज, तप्पा–रुधौली, परगना मगहर पश्चिम, तहसील–रुधौली, जनपद–बस्ती

4. नन्दलाल 5. वृन्दा प्रसाद पुत्रगण रामनेवास साकिन फतेहपुर, तप्पा रुधौली, परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली, जनपद बस्ती 6. छठीराम 7. रामकेवल 8. रामचन्दर 9. रामनवल 10. रामसहाय पुत्रगण रामललित साकिन– विशुनपुर, तप्पा–उमरा, परगना बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला–बस्ती 11 अतरुन्निशां पत्नी अब्दुल अजीज 12. जाहिदा खातून पत्नी रफीकुल्लाह साकिन–पैड़ाखरहा, तप्पा–उमरा, परगना– बस्ती पूरब, तहसील– भानपुर, जिला–बस्ती 13. नीतू सोनी पत्नी अनिल कुमार साकिन–सांऊघाट, तप्पा उमरा, परगना– बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर, जिला– बस्ती 14. शकीलेनिशां पत्नी रहमत अली 15. हिमानी पत्नी सत्तन कुमार 16. सत्तन कुमार पुत्र भरधू साकिनान– कनकपुरवा तप्पा– उमरा परगना बस्ती पूरब, तहसील–भानपुर जनपद–बस्ती 17. सन्तराम पुत्र माताबदल साकिन मुनियांव, तप्पा उमरा, परगना बस्ती पूरब, तहसील– भानपुर, जिला– बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

18. ग्राम पंचायत विशुनपुर द्वारा प्रधान तप्पा उमरा, परगना बस्ती पूरब, तहसील– भानपुर, जिला– बस्ती

––प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 14–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 14 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 09 माह 10 सन 2029 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

रावत मंदिर के उत्तराधिकार विवाद में दो संतों ने लगाए बेदखली के आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामघाट स्थित रावत मंदिर में महंत पद और उत्तराधिकार को लेकर विवाद गहरा गया है। पूर्व महंत राममिलन दास के निधन के बाद मंदिर की गद्दी को लेकर चल रहे विवाद में दो संतों ने महंत बालक दास पर उन्हें मंदिर से बेदखल कराने का आरोप लगाया है। मंदिर में वर्ष 2012 से रह रहे पवन कुमार दास और उपमहंत अमन अयोध्या दास ने कथित वसीयतनामे की वैधता से लेकर छह अक्टूबर को हुई पुलिस कार्रवाई तक पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पवन कुमार दास का आरोप है कि बालक दास वर्ष 2022 में मंदिर आए थे और उन्होंने पूर्व महंत राममिलन दास को गुमराह कर अपने पक्ष में कथित वसीयतनामा तैयार कराया। हालांकि, वसीयतनामे की प्रमाणिकता और उसे तैयार किए जाने की परिस्थितियों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में मंदिर के उत्तराधिकार को लेकर दस्तावेजों की जांच और उनकी वैधता का निर्धारण महत्वपूर्ण हो गया है। मामले में राजस्व प्रशासन के 16 अक्टूबर 2025 के आदेश का भी हवाला दिया जा रहा है। संबंधित पक्षों के अनुसार, आदेश में मंदिर पर बालक दास, पवन कुमार दास और अन्य लोगों का वास्तविक कब्जा होने की बात कही गई थी। पक्षों के बीच विवाद नहीं होने के आधार पर कुर्की का आदेश वापस लिए जाने का भी उल्लेख है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि छह अक्टूबर 2026 को पवन कुमार दास और अन्य लोगों को मंदिर परिसर से बाहर निकालने की कार्रवाई किस सक्षम प्राधिकारी के आदेश पर की गई। क्या इसके लिए कोई नया आदेश जारी हुआ था और क्या संबंधित पक्षों को नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था? पवन कुमार दास और अमन अयोध्या दास का आरोप है कि छह अक्टूबर को बालक दास ने पुलिस बुलाकर उन्हें मंदिर से बाहर निकलवा दिया। उनका दावा है कि इसके बाद उन्हें कोतवाली ले जाया गया और शांति भंग की आशंका में कार्रवाई की गई। दोनों ने पुलिस कार्रवाई के आधार पर भी सवाल उठाए हैं। हालांकि, संबंधित पुलिस अभिलेखों और आदेशों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं होने से कार्रवाई की सटीक कानूनी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अमन अयोध्या दास ने अलग से आरोप लगाया कि स्कूल से लौटने पर उनकी गाड़ी की चाबी छीन ली गई और सामान बाहर फेंक दिया गया। इसके बाद उन्हें रायगंज चौकी ले जाया गया। इन आरोपों की भी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामला अब मंदिर की गद्दी पर अधिकार के साथ ही कथित बेदखली और पुलिस कार्रवाई की परिस्थितियों से भी जुड़ गया है। संतों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। मंदिर के उत्तराधिकार का निर्धारण कथित वसीयतनामे, पूर्व प्रशासनिक आदेशों और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच के आधार पर ही हो सकता है। फिलहाल महंत बालक दास और संबंधित पुलिस अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आया है। उनका पक्ष मिलने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com